UTTARAKHAND AYURVED UNIVERSITY

1st Professional B.A.M.S Main Exam - 2023

SUBJECT – PADARTH VIGYAAN-1

Subject Code: U-111 AyUG PV-I **Paper Code: 01**

[Time: Three Hours] **[Max. Marks: 100]**

INSTRUCTIONS:

सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं। All Questions are to be attempted.

MULTIPLE CHOICE QUESTIONS (1 MARKS EACH)

1. As per Vaisheshika Darshana, one the being _____, guna-yukta and samavayi-karana is called a Dravya (substance).

(A) karya-yukta (B) kriya-yukta (C) samyoga-yukta (D) none of the them

(1) वैशेषिक दर्शन के अनुसार जो _____, गुणयुक्त तथा समवायिकारण हो उसे द्रव्य (substance) कहा जाता है।

(अ) कार्ययुक्त (ब) क्रियायुक्त (क) संयोगयुक्त (ड) इनमें से नहीं।

2. As per Acharya Vagbhata, drugs possessing sukshma, _____, laghu and shabda guna dominance are called Nabhasa dravya.

(A) Vishada (B) Vyavayi (C) Yogavaahi (D) Sthula

(2) आचार्य वाग्भट के अनुसार सूक्ष्म, _____, लघु और शब्द गुण की अधिकता वाले द्रव्य नाभस कहलाते हैं।

(अ) विशद (ब) व्यवायि (क) योगवाहि (ड) स्थूल

3. Acharya Charaka, has defined Siddhanta in the _____ chapter of Vimanasthana.

(A) Trividha-roga-vishesha vigyaniya Adhyaya (B) Sroto-vimana-adhyaya

(C) Roga-bhishag-jitiya -vimana-adhyaya (D) Roganika-vimana-adhyaya

(3) आचार्य चरक ने विमानस्थान के _____ में सिद्धान्त की व्याख्या निम्न में की है

(अ) त्रिविधरोगविशेषविज्ञानीयाध्याय (ब) स्रोतो विमानाध्याय

(क) रोगभिषग्जितीय विमानाध्याय (ड) रोगानीक विमानाध्याय

4. Whose words are these: **आत्मेन्द्रियार्थसन्निकर्षे ज्ञानस्यभावोऽभावश्च मनसः लिंगम्।**

(A) Acharya Charaka (B) Acharya Kanada (C) Acharya Sushruta (D) Acharya Vaisheshika

(4) किसके वचन हैं: **आत्मेन्द्रियार्थसन्निकर्षे ज्ञानस्यभावोऽभावश्च मनसः लिंगम्।**

(अ) आचार्य चरक (ब) आचार्य कणाद (क) आचार्य सुश्रुत (ड) आचार्य वैशेषिक

5. According to Acharya Arunadatta: **यस्य धारणे शक्तिः स** _____।

(A) Sthula (B) Sukshma (C) Vishada (D) Sthira

(5) आचार्य अरुणदत्त ने किसके लिए कहा है: **यस्य धारणे शक्तिः स** _____।

(अ) स्थूल (ब) सूक्ष्म (क) विशद (ड) स्थिर

6. According to Acharya Chakrapani Uha-poha swarupa gyana is ______

(A) Buddhi (B) Smriti (C) Sangya (D) Sangyaana

(6) आचार्य चक्रपाणि के अनुसार ऊहापोह स्वरूप ज्ञान ______ है।

(अ) बुद्धि (ब) स्मृति (क) संज्ञा (ड) संज्ञान

7. Types of Sanyoga are:

(A) 2 (B) 4 (C) 3 (D) 1

(7) संयोग के प्रकार है:

(अ) 2 (ब) 4 (क) 3 (ड) 1

8. As per Acharya Annambhatta, types of Laukika Karmas are ______

(A) 3 (B) 4 (C) 5 (D) 2

(8) आचार्य अन्नम्भट्ट ने लौकिक कर्म के ______ भेद कहे है।

(अ) 3 (ब) 4 (क) 5 (ड) 2

9. Cause of closing in (bringing closer) is ______

(A) prasarana (B) guna (C) akunchana (D) none of them

(9) निकट लाने का हेतु ______ है।

(अ) प्रसारण (ब) गुण (क) आकुंचन (ड) इनमें से नहीं

10. Samanya responsible for Vriddhi of all the bhavas is ______

(A) Madhya samanya (B) Ekadesha samanya (C) Dravya samanya (D) Atyanta samanya

(10) सर्वदा सभी भावों की वृद्धि करने वाला सामान्य ______ है:

(अ) मध्य सामान्य (ब) एकदेश सामान्य (क) द्रव्य सामान्य (ड) अत्यन्त सामान्य

11. Vishesha (particularity) is responsible for ______

(A) Prithaktva (B) Hrasa (C) both are right (D) none of them

(11) विशेष (particularity) यह ______ का कारण है।

(अ) पृथक्त्व (ब) ह्रास (क) दोनों पर्याय उचित (ड) इनमें से नहीं

12. Types of Vishesha are:

(A) 2 (B) 1 (C) 5 (D) 3

(12) विशेष के प्रकार है:

(अ) 2 (ब) 1 (क) 5 (ड) 3

13. In Karana (cause) and Karya (effect) – the relationship that is 'here it is' is called ______

(A) Sanyoga (B) Samanya (C) Samavaya (D) Samana

(13) कारण (cause) और कार्य (effect) में जो 'यह है या यहां है (here it is)' इस प्रकार का सम्बन्ध है वह ______ है।

(अ) संयोग (ब) सामान्य (क) समवाय (ड) समान

14. Types of Samavaya are:

(A) 4 (B) 3 (C) 5 (D) none of them

(14) समवाय के प्रकार हैं

(अ) 4 (ब) 3 (क) 5 (ड) इनमें से नहीं

15. The Padartha that is quoted in the context of negation is _____.

(A) Guna (B) Dravya (C) Vishesha (D) Abhava

(15) जिस पदार्थ का उल्लेख नकारात्मक रूप से किया जाता है, वही _____ है।

(अ) गुण (ब) द्रव्य (क) विशेष (ड) अभाव

16. Types of Jivatma are:

(A) 3 (B) 4 (C) 1 (D) 2

(16) जीवात्मा के भेद हैं

(अ) 3 (ब) 4 (क) 1 (ड) 2

17. Regular consumption of a bhava is _____.

(A) Abhyasa (B) Sanyoga (C) Adhyayana (D) Adhyapana

(17) भावों का नियमित सेवन '_____' है।

(अ) अभ्यास (ब) संयोग (क) अध्ययन (ड) अध्यापन

18. According to Acharya Charaka, number of gunas of Manah are _____.

(A) 1 (B) 5 (C) 2 (D) 8

(18) आचार्य चरक के मन के _____ गुणों का उल्लेख किया है।

(अ) 1 (ब) 5 (क) 2 (ड) 8

19. Abhyupagama Siddhanta is compared with

(A) Universal Theory (B) Textual Theory (C) Hypothesis (D) Contextual Theory

(19) अभ्युपगम सिद्धान्त की तुलना निम्न से की जाती है:

(अ) Universal Theory (ब) Textual Theory (क) Hypothesis (ड) Contexual Theory

20. Types of Sansarga-Abhava are:

(A) 2 (B) 3 (C) 1 (D) 4

(20) संसर्गाभाव के भेद कितने हैं:

(अ) 2 (ब) 3 (क) 1 (ड) 4

SHORT ANSWERS QUESTIONS (5 MARKS EACH)

1. Explain difference between Snigdha and Ruksha and also between Sukha and Dukkha.
   स्निग्ध एवं रूक्ष गुण तथा सुख एवं दुःख में अन्तर स्पष्ट करें।
2. Write lakshana of Dik and explain its classification.
   दिक का लक्षण एवं उसके विभाग स्पष्ट करें।
3. Write definition, features of Padartha along with Shad-Padartha.
   पदार्थ की व्याख्या, लक्षण एवं षड पदार्थ का वर्णन करें।
4. Write the types of Karma and explain importance of Karma in Ayurveda.
   कर्म के प्रकार एवं आयुर्वेद में कर्म का महत्व लिखें।
5. Classify Gunas on the basis of Acharya Charaka.
   गुण वर्गीकरण आचार्य चरक के अनुसार करें।
6. Explain Ubhayendriyatva of Manah.
   मन का उभयेन्द्रियत्व स्पष्ट करें।
7. Explain clinical importance of Abhava.
   अभाव की चिकित्सात्मक उपयोगिता स्पष्ट करें।
8. Explain Guna-Pradhanya.
   गुणप्राधान्य स्पष्ट करें।

LONG ANSWER QUESTIONS (10 MARKS EACH)

1. What is Guna? Define and write is various types. Explain at length about Paradi gunas.
   गुण क्या है? इसकी व्याख्या एवं प्रकार बतायें। परादि गुणों का सविस्तार से वर्णन करें।
2. Write definition and types of Samanya and Vishesha. Explain importance of samanya-vishesha Siddhanta in Ayurveda.
   सामान्य एवं विशेष की व्याख्या एवं प्रकार लिखें। सामान्य-विशेष सिद्धान्त का वर्णन कर इसका आयुर्वेद में महत्व स्पष्ट करें।
3. Write lakshana of Samavaya. Explain Ayuta-siddha. Explain difference between Samavaya and Sanyoga. Also explain their application in general.
   समवाय का लक्षण बतायें। अयुतसिद्ध स्पष्ट करें। समवाय और संयोग में अन्तर स्पष्ट करें। साथ ही समवाय की व्यावहारिक उपयोगिता स्पष्ट करें।
4. Explain Siddhanta in details. Also shed light on certain basic principles of Ayurveda.
   सिद्धान्त का सविस्तार से वर्णन करें। आयुर्वेद के कतिपय मौलिक सिद्धान्तों पर प्रकाश डालें।

****